

श्याम रखता खबर है फिकर क्या करूँ

जो भी दिल में रहे बात वो बिन कहे,
श्याम रखता खबर है फिकर क्या करूँ,
है बड़ा मेहरबान ये मेरा रहनुमा इसकी मुझपे नजर है फिकर क्या करूँ,
श्याम रखता खबर है फिकर क्या करूँ,

सामने है मेरे मेरे सपनों में भी,
मेरा मालिक है मेरे अपनों में भी,
ऐसी यारी हुई राज दारी हुई,
इनका ऐसा असर है फिकर क्या करूँ,
श्याम रखता खबर है फिकर क्या करूँ

हम जो खुशियों की खातिर तरसने लगे,
इनकी रेहमत के बदल बरसने लगे,
सुनता दिल की सदा कर तू तारीफ क्या,
मेरा जाने जिगर है फिकर क्या करूँ,
श्याम रखता खबर है फिकर क्या करूँ

रहता ये संवारा प्रेम के वश में है,
इनकी चाहत चोखानी के नस नस में है,
लगी इनकी लगन तानिया भी है मगन,
श्याम रखता खबर है फिकर क्या करूँ,
श्याम रखता खबर है फिकर क्या करूँ

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/4470/title/shyam-rakhta-khabar-hai-fikar-kya-karu-jo-bhi-dil-me-rahe-baat-vo-bin-kahe>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |